ISSN - 2229-3620

अर्थशास्त्र

SHODH SANCHAR BULLETIN

Vol. 4, Issue 16 Oct - Dec. 2014

Page Nos. 50-53

BI-LINGUAL INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL

# उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में कृषि आधारित उद्योगों की प्रासंगिकता

❐ श्रीमती प

## शोध सारांश

*किसी भी देश की समृद्धि प्रत्यक्षतः कृषि तथा उद्योग के विकास पर निर्भर करती है। कृषि उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण है। यहाँ की अर्थव्यवस्था मूलतः कृषि पर निर्भर है। कृषि ने प्रदेश को खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनाने तथा राष्ट्र को खाद्यान्न कमी से उबार कर अभाव से आधिक्य की ओर अग्रसर किया है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश के नियोजित विकास में कृषि के बहुमुखी विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रदेश की अर्थव्यव में उद्योगों का विशिष्ट योगदान है। उत्तर प्रदेश में चीनी वनस्पति एवं वस्त्र उद्योगों आदि की गिनती प्रदेश के महत्वपूर्ण कृषि ाारित उद्योगों में की जाती है। इन उद्योगों का सुदृढ़ होना प्रदेश के आर्थिक विकास को ऊँचा करता है, कृषि आधारित उ के विकास के लिए कृषि का विकास आवश्यक है क्योंकि इन उद्योगों को कच्चा माल कृषि से ही प्राप्त होता है। अतः आ विकास में इनके योगदान को दिखाने के लिए प्रस्तुत शोध पत्र में उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में कृषि आधारित उद्योगों की प्रासंगिकता को बताने का प्रयास किया गया है।*

**अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक विकास**– अर्थव्यवस्था एक ऐसा तन्त्र है जिसके माध्यम से मनुष्य की आर्थिक क्रियाएं संचालित होती हैं। अर्थव्यवस्था उस संगठन को कहते हैं जो मनुष्यों द्वारा उपलब्ध साधनों का संदोहन करके अपनी आवश्कताओं को पूरा करने के उद्देश्य से स्थापित किया जाता है। जिस ढाँचे के अन्तर्गत एक देश की समस्त आर्थिक क्रियाओं का वर्णन किया जाता है, उसे अर्थव्यवस्था कहते हैं। अर्थव्यवस्था समाज की आर्थिक क्रियाओं के संगठन को बताती है और इसके अंतर्गत धन का उपभोग, उत्पादन वितरण, विनिमय और राजस्व सम्मिलित होता है।

"अर्थव्यवस्था वह व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत मानव अपनी आजीविका कमाकर अपनी आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करता है।"[1] आर्थिक विकास का आधार उत्पादन है। देश में कृषि व औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि करके राष्ट्रीय व प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि की जा सकती है। जिस वस्तु का उत्पादन किया जाता है। उसे हम उत्पाद कहते हैं। जिन साधनों के सहयोग से उत्पादन किया जाता है। उनको हम उत्पादन के साधन कहते हैं। किसी उद्योग के उत्पाद तथा उत्पादन के साधन के बीच सम्बन्ध को हम उत्पादन फलन कहते हैं। किसी देश की समृद्धि प्रत्यक्षतः कृषि तथा उद्योग के विकास पर निर्भर करती है। "आर्थिक विकास का अर्थ देना कठिन है, शायद यह स्पष्ट करना अधिक आसान है कि आर्थिक विकास क्या नहीं है।"[2]

"आर्थिक विकास वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा कि की अर्थव्यवस्था की वास्तविक राष्ट्रीय आय में दीर्घकाल होती है और यदि विकास की दर जनसंख्या में वृद्धि की अधिक है तो प्रति व्यक्ति वास्तविक आय में भी वृद्धि होत

आर्थिक विकास वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा देश–प्रदेश के निवासी उपलब्ध साधनों का प्रयोग प्रति वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि के लि हैं। इन परिभाषाओं के विश्लेषण से इस निष्कर्ष पर पहुँच आर्थिक विकास से तात्पर्य अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में त तकनीक के व्यापक उपयोग के कारण प्रति व्यक्ति व आय में वृद्धि है। उत्तर प्रदेश में आर्थिक विकास एवं वृद्धि की नितान्त आवश्यकता है। कृषि एवं सम्बद्ध भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार माना जाता है। सामग्री के महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं। कई औद्योगिक उत्पादों कृषि तथा अनेक प्रकार की उपभोक्ता वस्तुओं के लिए म भारत के सकल घरेलु उत्पाद में उनका योगदान 22% 65.70% जनसंख्या आजीविका के लिए कृषि पर निर्भ कई उद्योगों को कच्चा माल कृषि से प्राप्त होता है। इ कृषि को उद्योग के आधार के रूप में माना जा सकत

**कृषि आधारित उद्योगों की संकल्पनाः**– सामंजस्य सन्तुलित कार्य करने के लिए कृषि के साथ उद्योगों

*सहायक प्रोफेसर–अर्थशास्त्र, कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, उ0प्र